

**कुनाई स्त्री.** (तद्.) 1. वह चूरा या बुकनी जो किसी वस्तु को खरादने पर निकलती है, बुरादा  
2. खरादने की क्रिया 3. खरादने की मजदूरी।

**कुनाम पुं.** (देश.) कुख्याति, बदनामी।

**कुनिया पुं.** (तद्.) खरादने वाला व्यक्ति।

**कुनीति स्त्री.** (तत्.) दुर्नीति, अविचार।

**कुनेर-कुनेरा पुं.** (देश.) लोहे पीतल आदि के बरतनों की कुनाई करनेवाली जाति और उस जाति का व्यक्ति।

**कुनैन पुं.** (अं.<क्विनीन) एक औषधि जो मलेरिया ज्वर के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है, कुनाइन टि. यह एक पेड़ की छाल का सत है, जिसे सिंकोना/सिकाना कहते हैं, जो दक्षिण अमेरिका में ही होता था अब यह भारतवर्ष के नीलगिरि, मैसूर, सिक्किम आदि पर्वतीय स्थानों में भी लगाया जाता है, सिंकोन कई प्रकार का होता है- भूरी, लाल और पीली छाल वाला।

**कुन्याय पुं.** (तत्.) न्यायविरुद्ध, अन्याय।

**कुपंथ पुं.** (तत्.) 1. बुरा मार्ग 2. निषिद्ध आचरण, कुचाल 2. बुरा मत, कुत्सित सिद्धांत।

**कुपथगामी वि.** (तत्.) कुमार्गी, वह आहार विहार जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो, बदपरहेजी।

**कुपात्र वि.** (तत्.) 1. किसी विषय का अनधिकारी, अयोग्य 2. वह जिसे दान देना शास्त्रों में निषिद्ध है।

**कुपित वि.** (तत्.) 1. क्रुद्ध, क्रोधित 2. नाराज।

**कुपुत्र पुं.** (तत्.) 1. वह पुत्र जो कुपथगामी हो, कुपूत।

**कुप्पा पुं.** (तद्.) चमड़े का बना हुआ घड़े के आकार का एक बड़ा बरतन जिसमें घी, तेल आदि रखते हैं मुहा. कुप्पा लुढ़ना या लुढ़कना- किसी बड़े आदमी का मरना, अधिक व्यय होना; कुप्पा होना या हो जाना- फूल जाना, सूजना जैसे- कीड़े के काटने पर उसका मुँह कुप्पा हो गया, मोटा होना- वह कुछ ही दिनों में कुप्पा हो गया, रुठना जैसे-

जरा सी बात में वह कुप्पा हो जाता है; फूल कर कुप्पा होना- मोटा होना, अत्यंत हर्षित होना जैसे- अपनी प्रशंसा सुनकर वह फूल कर कुप्पा हो गए, किसी का मुँह कुप्पा होना- किसी का नाराज होकर मुँह फुलाना जैसे- जरा सी बात पर उसका मुँह कुप्पा हो गया; कुप्पा सा मुँह करना- रुठ कर बोलचाल बंद करना।

**कुप्पासाज पुं.** (तद्.+फा.) कुप्पा बनानेवाला व्यक्ति।

**कुप्पी स्त्री.** (देश.) चमड़े का बना हुआ कुप्पे से छोटा बरतन जिसमें तेल-फुलेल आदि रखते हैं, फुलेली।

**कुफर पुं.** (अर.<कुफ्र) नास्तिकता, कृतघ्नता अनुचित बात।

**कुफेर पुं.** (देश.) बुरे दिनों का चक्कर, दुर्भाग्य।

**कुफ्र पुं.** (अर.) 1. मुस्लिम मत से भिन्न अन्य मत 2. मुस्लिम धर्म के विरुद्ध वाक्य।

**कुबड़ा पुं.** (तद्.) वह पुरुष जिसकी पीठ कुब्ज रोग के कारण टेढ़ी हो गई हो या झुक गई हो वि. झुका हुआ, टेढ़ा, कुबड़ी (स्त्री.)।

**कुबड़ापन पुं.** (तद्.) कुबड़ा होने का भाव।

**कुबरी स्त्री.** (देश.) 1. वह छड़ी जिसका सिरा झुका हो, टेढ़िया 2. कंस की एक दासी जिसकी पीठ टेढ़ी थी, वह कृष्ण से प्रेम करती थी, कुब्जा 3. एक प्रकार की मछली जो भारत, लंका और चीन में पाई जाती है।

**कुबली स्त्री.** (तत्.) पिंडी, गोला।

**कुबुद्धि पुं.** (तत्.) जिसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई हो, जिसकी अक्ल खराब हो गई हो स्त्री 1. मूर्खता 2. बुरी सलाह।

**कुबुबशाही स्त्री.** (अर.) दक्षिण भारत की पाँच बहमनी राज्यों में से एक।

**कुबेर पुं.** (तत्.) 1. एक देवता, जो इंद्र की नौ निधियों के भंडारी और महादेवजी के मित्र समझे जाते हैं, धन का देवता टि. यह विश्रवस ऋषि के पुत्र और रावण के सौतेले भाई थे, इनकी माता का नाम इडविडा था, इन्होंने विश्वकर्मा से लंका